समय : 3 घण्टे
पूर्णांक : 80

हिंदी 'अ'
सी.बी.एस.ई.
उत्तरमाला

प्रतिदर्श प्रश्न–पत्र 1

खण्ड 'अ'

1. **[1 × 5 = 5]**

(i) **(ग)** संतोष और आनंद में **1**

(ii) **(घ)** प्रयत्न **1**

(iii) **(ख)** शोक और दु:ख में **1**

(iv) **(क)** जब से वह कर्म की ओर हाथ बढ़ाता है **1**

(v) **(ग)** कर्मण्य **1**

अथवा

(i) **(ग)** महिलाओं के स्वावलंबन की प्रक्रिया **1**

(ii) **(घ)** उपरोक्त सभी कारण **1**

(iii) **(ख)** जब वे आर्थिक रूप से स्वावलंबी हों **1**

(iv) **(क)** स्त्री शिक्षा और उनकी सुरक्षा पर **1**

(v) **(ग)** महिला सशक्तिकरण **1**

2. **[1 × 5 = 5]**

(i) **(ग)** शासन पर **1**

(ii) **(घ)** इन सब की **1**

(iii) **(ख)** स्वर्ग **1**

(iv) **(ग)** सब के कष्ट, पीड़ा और बाधाएँ **1**

(v) **(ख)** रूपक **1**

अथवा

(i) **(घ)** इन सभी को **1**

(ii) **(ख)** एक बेहतर जीवन जीने के संघर्ष में **1**

(iii) **(क)** उसे परेशानियों से बाहर निकलने का समय नहीं मिलता **1**

(iv) **(ख)** वह जैसे कर्म करेगा वैसा ही उसका परिणाम होगा **1**

(v) **(घ)** जीवन में बिताए हुए दुखद क्षणों की पीड़ा सदैव बनी रहती है **1**

OSWAAL BOOKS LEARNING MADE SIMPLE

परीक्षक टिप्पणी एवं 'सुझाव-संकेत'

उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते समय यह पाया गया कि विद्यार्थी संभवत: अपठित गद्यांश अथवा काव्यांश को ध्यानपूर्वक नहीं पढ़ते और कुछ मिलते-जुलते प्रश्नों के उत्तरों में त्रुटियाँ कर देते हैं। वे अपठित बोध आधारित रस, अलंकार आदि से संबंधित प्रश्नों में आवश्यक जानकारी और अभ्यास की कमी के कारण सही उत्तर नहीं लिख पाते हैं। उत्तर पुस्तिकाओं में वर्तनी सम्बन्धी त्रुटियाँ भी बहुत पाई जाती हैं। अत:—

1. अपठित को ध्यानपूर्वक कई बार पढ़िए और विशेषकर काव्यांश के शाब्दिक अर्थ के साथ ही उसका प्रतीकात्मक अर्थ समझने का भी प्रयास कीजिए।
2. गद्यांश अथवा पद्यांश के शीर्षक का चुनाव करते समय उनके केंद्रीय भाव को ध्यान में रखिए।
3. व्याकरण आधारित प्रश्नों और शुद्ध लेखन का निरंतर अभ्यास कीजिए।

* छात्र किसी भी पहलू को अनदेखा न छोड़ें। हर बिन्दु पर ध्यान दें।

* विद्यार्थी प्रश्नों के उत्तर साफ, सुस्पष्ट व अपनी भाषा में लिखने का अभ्यास करें।

3. **[1 × 4 = 4]**

(i) **(ग)** कम आय वालों को मितव्ययी होना चाहिए **1**

(ii) **(ख)** विद्यालय का समारोह समाप्त हुआ और लोग घर चले गए **1**

(iii) **(ख)** सर्वनाम उपवाक्य **1**

(iv) **(ख)** एक ऐसा पत्र लिखो जिसमें अवकाश के लिए प्रार्थना हो **1**

(v) **(घ)** सूचना सब को दे दी गई। **1**

4. **[1 × 4 = 4]**

(i) **(ख)** मेरे द्वारा / मुझ से यह पुस्तक नहीं पढ़ी जा सकेगी **1**

(ii) **(घ)** मैं बाजार नहीं गया / गई **1**

(iii) **(क)** कर्तृवाच्य **1**

(iv) **(ख)** उमेश से हँसा गया **1**

(v) **(क)** आज मैच खेला जाएगा **1**

5. **[1 × 4 = 4]**

(i) **(ख)** व्यक्तिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक **1**

(ii) **(क)** क्रिया, अकर्मक, पूर्ण भूतकाल, पुल्लिंग एकवचन, कर्तृवाच्य **1**

(iii) **(ग)** विशेषण, संख्यावाचक, क्रमसूचक, स्त्रीलिंग, एकवचन, 'कक्षा' विशेष्य **1**

(iv) **(क)** अव्यय, संबंबोधक, 'पेड़' से संबंध **1**

(v) **(घ)** सर्वनाम, प्रश्नवाचक, एकवचन, कर्म कारक **1**

6. **[1 × 4 = 4]**

(i) **(ग)** तैंतीस **1**

(ii) **(ख)** वीर **1**

(iii) **(घ)** वात्सल्य **1**

(iv) **(घ)** अनुभाव **1**

(v) **(घ)** अद्भुत **1**

7. **[1 × 5 = 5]**

(i) **(घ)** कस्बा **1**

(ii) **(ख)** मूर्ति के बारे में **1**

OSWAAL BOOKS LEARNING MADE SIMPLE

(iii) **(ग)** भावना का **1**

(iv) **(क)** देशभक्ति **1**

(v) **(घ)** तार के फ्रेमवाला गोल **1**

8. **[1 × 2 = 2]**

(i) **(ग)** वे मृत्यु को विरहणी आत्मा और परमात्मा का मिलन मानते थे **1**

(ii) **(ग)** वे देवदार की शीतल छाया के समान सब को शांति, स्नेह, आशीर्वाद और अपनत्व प्रदान करते थे **1**

9. **[1 × 5 = 5]**

(i) **(ग)** हारिल पक्षी की लकड़ी के समान **1**

(ii) **(क)** कड़वी ककड़ी के समान **1**

(iii) **(ख)** योग को **1**

(iv) **(ग)** चंचल (अस्थिर) मन वालों को **1**

(v) **(घ)** ब्रजभाषा - सूरदास **1**

10. **[1 × 2 = 2]**

(i) **(ग)** हमारे कुल में देवता, ब्राह्मण, ईश्वरभक्त और गौ पर वीरता नहीं दिखाते **1**

(ii) **(ख)** बादल को **1**

खण्ड 'ब'

11. **[2 × 4 = 8]**

(i) पानवाला हँसमुख स्वभाव का व्यक्ति था। वह बात-बात पर हँसता था किंतु खुशमिजाज़ होते हुए भी उसके हृदय में संवेदना भी थी। कभी कैप्टन के प्रति कठोर टिप्पणी करने वाला पानवाला हालदार साहब को उसकी मृत्यु की सूचना देते समय भावुक हो उठा। उसकी आँखें कैप्टन को याद करके नम हो गईं। **2**

(ii) बालगोबिन भगत के कंठ से निकले कबीर के सीधे-सादे पद भी सजीव हो उठते थे। उनके मधुर गायन को सुनकर लोग मंत्रमुग्ध हो जाते थे। खेत में काम करते हुए कृषकों के पैर विशेष क्रम-ताल से उठने लगते, स्त्रियाँ और बच्चे झूम उठते थे। उनके संगीत को सुनकर ऐसा लगता मानो उनके मधुर स्वर की एक तरंग स्वर्ग की ओर जा रही है और दूसरी लोगों के कानों की ओर। **2**

(iii) सेकंड क्लास का किराया अधिक होने के कारण उस डिब्बे में अधिक भीड़ नहीं होती थी। लेखक को अपनी नई कहानी के विषय में सोचने के लिए एकांत की आवश्यकता थी। साथ ही वह ट्रेन की खिड़की से प्राकृतिक दृश्यों का आनंद भी लेना चाहता था। 2

(iv) फ़ादर कामिल बुल्के अपने दृढ़ संकल्प के कारण संन्यासी बने थे वे मन से संन्यासी नहीं थे। जिससे भी रिश्ता बनाते उसे तोड़ते नहीं थे। किसी से कई बर्षों बाद मिलने पर भी उसे वही अपनत्व प्रदान करते थे। वे जब भी दिल्ली आते लेखक से बिना मिले नहीं जाते थे। इसलिए लेखक ने उन्हें संकल्प से संनयासी कहा है, मन से नहीं। **2**

12. **[2 × 3 = 6]**

(i) गोपियों ने गुड़ से चिपकी हुई चींटियों का उदाहरण देकर श्रीकृष्ण के प्रति अपने एकनिष्ठ प्रेम को अभिव्यक्त किया है। उनके अनुसार श्रीकृष्ण में गुड़ की सी मिठास है और भोली गोपिकाएँ सहज भाव से चीटियों के समान गुड़ से चिपकी रहना चाहती हैं। वे श्रीकृष्ण की अनन्य भक्त हैं। **2**

(ii) साहस और शक्ति एक योद्धा के अनिवार्य गुण होते हैं किन्तु यदि इनके साथ व्यक्ति में विनम्रता भी हो तो उसका व्यक्तित्व और भी प्रभावी बन जाता है। विनम्रता से अनावश्यक वाद-विवाद और अप्रिय घटनाओं को रोका जा सकता है। विनम्रता से शत्रु के क्रोध पर भी विजय पाई जा सकती है। अपने विनम्र स्वभाव से व्यक्ति सभी का सम्मान प्राप्त करता है। **2**

(iii) माँ के लिए बेटी उस अनमोल संचित (जमा) पूँजी की तरह होती है जिसे कोई मनुष्य अपने विपत्ति काल या आवश्यकता के लिए सहेज कर रखता है। वह उसकी अंतरंग मित्र और दु:ख-सुख की सच्ची साथी होती है। माँ उससे अपने मन की हर बात कह लेती है। बेटी को विदा करने के बाद उसके जीवन में रिक्तता आ जाती है। इसलिए माँ को बेटी अपनी 'अंतिम पूँजी' प्रतीत होती है। **2**

13. **[3 × 2 = 6]**

(i) माता-पिता के समान ही बच्चे भी उन्हें बहुत प्यार करते हैं। माता-पिता के प्रति अपना प्रेम अभिव्यक्त करने के लिए वे अनेक बाल-सुलभ क्रीड़ाएँ करते हैं। बच्चे मुस्कराकर, उनकी गोद में बैठकर, उनके साथ खेलकर, सोकर, कभी प्यार भरी ज़िद करके तो कभी उनकी आज्ञा का पालन करके माता-पिता के प्रति अपने प्रेम को प्रकट करते हैं। **3**

(ii) मूर्तिकार बहुत चतुर, लोभी, वाक् पटु, और अवसरवादी था। उसे सरकारी तंत्र की गहरी समझ थी। वह जानता था कि इस नाजुक समय में मनचाहा लाभ कमाया जा सकता है, इसीलिए अधिकारियों को मूर्ख बनाकर वह सरकारी पैसे पर पूरे देश का भ्रमण करता है। वह अत्यंत चालाक, सुयोग्य और धूर्त भी था। जहाँ एक ओर लाट पर जिंदा नाक लगाने की सलाह देकर वह सरकारी सोच को समाज के सामने लाता है वहीं जॉर्ज की नाक से सबकी नाक को बड़ी या ऊँची बताकर वह देशभक्तों का गौरव भी बढ़ाता है। **3**

(iii) गंतोक एक सुरम्य, रमणीय पर्वतीय स्थल है जहाँ की सुबह, शाम और रात अत्यंत मनोहारी प्रतीत होती है। यहाँ के निवासियों ने दिन-रात कठिन परिश्रम करके इस शहर को यह सुंदर रूप प्रदान किया है। ये मेहनतकश लोग विपरीत परिस्थितियों में रहते हुए भी अपनी आजीविका चलाने के लिए कठोर परिश्रम करते हैं। इसीलिए गंतोक को 'मेहनतकश बादशाहों का शहर' कहा गया है। 3

14. **(i)** **श्रम का महत्व** **[5]**

श्रम का तात्पर्य है—तन-मन से किसी कार्य को करने के लिए प्रयत्नशील होना। जीवन में सफलता प्राप्ति के लिए श्रम अनिवार्य है। परिश्रमी व्यक्ति के लिए कोई भी कार्य असाध्य नहीं होता। श्रम ही जीवन को गति प्रदान करता है। परिश्रमी व्यक्ति को यश और धन दोनों ही प्राप्त होते हैं। श्रम शारीरिक स्वास्थ्य के लिए भी आवश्यक है। बिना श्रम के व्यक्ति अकर्मण्य हो जाता है। अपने कठोर परिश्रम के बल पर ही मानव ने आज जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में प्रगति की है। अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए विद्यार्थियों को लहरों की तरह निरंतर प्रवाहमान अर्थात कर्मशील रहना होगा। निष्कर्षत: श्रम ही जीवन का आधार है। कहा भी गया है—**'श्रमेण लभ्यं सकलं न श्रमेण विना क्वचित्'** अर्थात्-श्रम से सब कुछ प्राप्त होता है श्रम बिना कुछ नहीं मिलता।

(ii) **धरती का सुरक्षा कवच : ओजोन परत** **[5]**

ओज़ोन ऑक्सीजन के तीन परमाणुओं से मिलकर बनने वाली एक गैस है, जो वायुमंडल में एक पतली और पारदर्शी परत के रूप में पाई जाती है। ओजोन परत धरती के लिए एक सुरक्षा कवच का कार्य करती है। यह सूर्य से आने वाली पराबैंगनी किरणों से मानव, जीव-जंतुओं और वनस्पतियों की रक्षा करती है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण यह परत धीरे-धीरे नष्ट हो रही है। धरती पर बढ़ता प्रदूषण, क्लोरो फ्लोरो कार्बन गैस, वृक्षों का अंधाधुंध कटाव और वाहनों और फैक्ट्रियों से निकलने वाली कार्बन मोनोऑक्साइड गैस इसके क्षरण का प्रमुख कारण है। जिसके दुष्प्रभाव स्वरूप अनेक गंभीर बीमारियाँ हो सकती हैं। ओजोन क्षरण को रोकने के लिए वाहनों का उचित रख-रखाव, पर्यावरण अनुकूल उर्वरकों का प्रयोग और वृक्षारोपण आदि प्रमुख उपाय अपनाने होंगे।

(iii) **संयुक्त परिवार - आज की माँग** **[5]**

एक परिवार जिसमें एक से अधिक पीढ़ियों के लोग एक ही घर में मिल-जुलकर साथ रहते हैं, संयुक्त परिवार कहलाता है। इसमें परिवार का वरिष्ठ सदस्य घर का मुखिया होता है। वही परिवार के सभी सदस्यों के कार्यों का विभाजन और उनके सुरक्षित रहने की व्यवस्था करता है। संयुक्त परिवार के सभी सदस्य आर्थिक रूप से सुरक्षित रहते हैं और बच्चे भी वृद्धजनों के संरक्षण में अच्छे संस्कार प्राप्त करते हैं। आज पाश्चात्य संस्कृति के प्रभाववश एकल परिवारों की स्थापना और संयुक्त परिवारों का तेज़ी से विघटन हो रहा है। धनोपार्जन में व्यस्त माता-पिता के बच्चे अकेले रहते हुए बुरी आदतों और मानसिक रोगों का शिकार हो रहे हैं। जहाँ एक ओर पति-पत्नी अहं का टकराव होने से अवसाद ग्रस्त हो रहे हैं वही दूसरी ओर वृद्धों को भी उचित संरक्षण प्राप्त नहीं हो रहा हैं। ऐसे में हमारी संस्कृति की अनमोल परम्परा हमारे संयुक्त परिवार आज की माँग हैं। **[5]**

15. **[5]**

सेवा में

सचिव

नगर निगम विकास प्राधिकरण

लखनऊ

उत्तर प्रदेश

विषय—कॉलोनी के पार्क के विकास हेतु

महोदय,

इस पत्र के माध्यम से मैं आपका ध्यान राजीव नगर क्षेत्र स्थित मुख्य पार्क की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ। यह एकमात्र ऐसा पार्क

है जो आस-पास स्थित लगभग पाँच कॉलोनियों के बच्चों और निवासियों की सार्वजनिक, स्वास्थ्य, मनोरंजन तथा खेलकूद संबंधी आवश्यकताओं को पूर्ण करता रहता है। किंतु पिछले कुछ महीनों से इस पार्क की दशा बहुत खराब होती जा रही है। यहाँ लगी हुई घास बिल्कुल सूख चुकी है तथा पार्क के बीच में स्थित फव्वारे के कुंड में भरा हुआ पानी बहुत दूषित और दुर्गंध युक्त हो गया है। पार्क में लगे टूटे-फूटे झूले मानो किसी दुर्घटना को आमंत्रण दे रहे हैं।

महोदय, घनी बस्तियों और कॉलोनियों में रहने वाले लोगों के लिए पार्क एक वरदान के समान होता है। अत: आपसे निवेदन है कि शीघ्र अतिशीघ्र इस पार्क को पुन: विकसित करवा के इस क्षेत्र के निवासियों को उपकृत करने की कृपा करें। हम आपके आभारी रहेंगे।

सधन्यवाद

भवदीय

अ ब स

21/3 राजीव नगर

लखनऊ।

दिनांक

अथवा

कमरा नं. 22, नवोदय छात्रावास

नई दिल्ली

दिनांक 15 मई 20XX

आरणीय भाई साहब

सादर प्रणाम

आज ही आपके पत्र से आपके सेना में उच्च पद पर नियुक्ति का सुखद समाचार प्राप्त हुआ। पत्र पढ़ते ही मेरा मन प्रसन्नता से भर गया। आखिर आपकी मेहनत रंग लाई और आपका वह सपना पूरा हो गया जिसकी आपको वर्षों से आकांक्षा थी। इस अवसर पर मेरी ओर से हार्दिक बधाई स्वीकार कीजिए। मैं आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ तथा ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि आप अपने इस दायित्व को सफलतापूर्वक निभाएँ।

आदरणीय पिजाती और माताजी को मेरा चरण स्पर्श और प्रिय स्मृति को प्यार कहिएगा।

आपका अनुज

अ ब स **[5]**

16. **[5]**

जल है तो कल है.....

पानी की हर बूँद अनमोल, भूल न जाओ इसका मोल

आज जो जल न बचाओगे तो कल प्यासे रह जाओगे

पृथ्वी की सतह पर जो दो-तिहाई जल है उसमें से बहुत कम मात्रा में ही पीने योग्य शेष है।

'जल बचाएँ, अपना जीवन बचाएँ'

जल संसाधन मंत्रालय भारत सरकार द्वारा जनहित में जारी

समर कूल पंखे

गरमी से राहत दिलाने आ गए समर कूल पंखे

- ❖ खूबसूरत रंगों और डिजाइनों में उपलब्ध
- ❖ 2 साल की गारंटी के साथ
- ❖ कम मूल्य और बेहतरीन क्वालिटी का वादा

आज ही खरीदिए और गरमी की तपन से आजादी पाकर सुखद जीवन का आनंद लीजिए।

सभी प्रमुख इलैक्ट्रॉनिक स्टोर्स में उपलब्ध

संपर्क - 9873.....

[5]

17. **[5]**

बधाई संदेश

22.03.20XX प्रात: 4:00 बजे

प्रिय आदित्य

जन्मदिन की असख्ंय शुभकामनाएँ एवं हार्दिक बधाई मित्र !

'तुम जियो हज़ारों साल, साल के दिन हों पचास हज़ार'

ईश्वर तुम्हें स्वास्थ्य, समृद्धि, यश एवं उन्नति प्रदान करें। आने वाला प्रत्येक नया दिन तुम्हारे जीवन में खुशियाँ और अपार सफलताएँ लेकर आए। समस्त परिवार को हार्दिक बधाई।

—सौरभ

[5]

अथवा

31 दिसम्बर रात्रि 11:55

चाचा जी

आपको सपरिवार नूतन वर्ष ..... की शुभकामनाएँ और हार्दिक बधाई

नूतन वर्ष नया अभिनंनद, नव युग की है बेला आई।
महके फूल खिले वन-उपवन, कलियाँ भी लेती अंगड़ाई॥
अंधकार मुक्त हो जाए जग ये, किरणें यह संदेसा लायीं,
नए वर्ष में सभी सुखी हों, देते हम सब यही बधाई॥"

यह वर्ष आपके जीवन में सुख, समृद्धि, यश, प्रसन्नता और सफलता लेकर आए। आपके सुखद भविष्य की मंगल कामना के साथ....

अ ब स / सुयश / स्वाति

[5]

●●